(b) if so, the action taken by Government in this regard; and

(c) the requirements of different categories of aviation personnel envisaged by Government for the next 10 years in the back-drop of present availability?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) Government do not have any purposal at present to include aviation education and safety in school curriculam as it is not considered advisable to make any fresh addition to the curriculam which may increase the academic burden on children.

(c) No comprehensive study has been undertaken to assess the requirement of different categories of personnel for civil aviation for the next ten year.

International airports at Jalandhar and Kapurthala

3077. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is no international airport at Jalandhar and Kapurthala in Punjab for flights to U.K. and U.S.A. where the largest representative immigrant community is settled;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) what effective and concrete measures Government propose to take to establish international airports at the said places?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) Yes, Sir.

(b) The existing five international airports viz. Delhi, Bombay, Calcutta, Madras and Trivandrum are sufficient to cater to the needs of international traffic.

(c) There is no need for any separate international airport at Jalandhar at present; connecting services from Amritsar are available to the gateway points like Delhi/Bombay. Air India has also started two feeder flights per week between Delhi and Amritsar, offering connections to 7 destinations in Asia, Europe and North America.

गुजरात में विमान क्षेत्रों का उपयोग

3078. श्री चिमन भाई हरिभाई शुक्ल: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) इस समय गुजरात में राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अधीन कितने विमान क्षेत्र कार्यरत हैं ;

(ख) क्या इनमें से कुछ विमान क्षेत्र में इंडियन एयरलाइंस, वायुदूत और अन्य निजी विमान कम्पनियों के विमान नियमित उड़ानें भरते हैं –

(ग) इस विमान क्षेत्रों से सरकार को प्रतिवर्ष कितना राजस्व प्राप्त होता है ;

(घ) सरकार को राज्य सरकार से किन-किन स्थानों पर विमान क्षेत्र विकसित स्थापित करने के लिये प्रस्ताव मिले हैं; और

(ङ) क्या इन विमान क्षेत्रों के लिये प्रत्येक वर्ष के बजट में आबंटन किया जा रहा है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) गुजरात में राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिपरण ने 7 हवाई अड्डे हैं जो इस समय उपयोग में है ।

(ख) इंडियन एयरलाइंस की नियमित उड़ानें अहमदाबाद, बड़ौदरा, भावनगर और राजकोट के लिये तथा वायुदूत की सेवायें केशोड़, कांडला; पोरबन्दर और राजकोट के लिये प्रचालित होती हैं ।

(ग) इन हवाई अड्डों से वर्ष 1992–93 में राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने लगभग 329 लाख रुपये अर्जित किये ।

(घ) और (ङ) गुजरात में नये हवाई अड्डों की स्थापना के लिये राज्य सरकार से कोई विशिष्ट प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है । तथापि, सूरत हवाई अड्डे के उन्नयन की दृष्टि से राज्य सरकार ने राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा हवाई अड्डे को अपने हाथ में लिये जाने का मामला मंत्रालय के साथ से अधिक वार उठाया था । वित्तीय कठिनाईयों के कारण, इस समय राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के लिये सूरत हवाई अड्डे को अपने हाथ में लेना व्यवहार्य नहीं है ।